

सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया और रामहेपुर ने रकिवरी दर में राष्ट्रीय स्तर पर रचा नया कीर्तमान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के कबीरधाम ज़िले में स्थापित दो सहकारी शक्कर कारखानों लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादति पंडरिया और भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना रामहेपुर, कवर्धा ने रकिवरी दर में राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए नया कीर्तमान रचा है।

प्रमुख बढि

- दोनों ही कारखानों ने देश के सभी सहकारी शक्कर कारखानों को रकिवरी के मामले में पीछे छोड़ दिया है। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादति पंडरिया पेराई सत्र 2021-22 में 13.12 प्रतिशत रकिवरी के साथ पूरे देश में पहले नंबर पर तथा भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना रामहेपुर, कवर्धा 11.8 प्रतिशत रकिवरी के साथ पूरे देश में दूसरे नंबर पर रहा।
- रकिवरी दर अधिक होने से ज़िले के 18 हजार 497 किसानों को 53.83 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी। इससे वित्तीय वर्ष में किसानों को 280.7 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा।
- इन किसानों को रकिवरी दर पर 53.83 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी, साथ ही किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 50.58 करोड़ रुपए का लाभ मल्लिगा।
- लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादति पंडरिया में पेराई सत्र 2021-22 में किसानों से 29 लाख 5 हजार 338 मीटरिक टन गन्ने की खरीदी की गई। वहीं भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना रामहेपुर, कवर्धा में किसानों से 34 लाख 5 हजार 3 मीटरिक टन गन्ने की खरीद की गई है।
- गौरतलब है कि गन्ने की दर एफआरपी से तय होती है, जिसमें न्यूनतम 9.50 प्रतिशत रकिवरी या उससे कम पर 275.50 रुपए प्रति क्वटिल दर से दिया जाता है। 9.50 प्रतिशत से अधिक रकिवरी आने पर प्रति 0.1 प्रतिशत पर 2.90 रुपए प्रति क्वटिल बढ़ता जाता है।